रात्रि क्लास 21/6/66 :– बच्चों ने पार्टीशन भी देखा। कितनी रक्त की नदियाँ बहीं। भूख हड़ताल ..... पिकेटिंग आदि–2 जो कुछ गाँधी ने सिखाया है वो सब सामने आता है। यह दुनिया है ही ऐसी। बच्चों की दिल होती है कि कल ही यह शरीर छोड़ सतयुग में जावे; परन्तु यह शिवबाबा (साथ) कल्प बाद ही मिलना होता है। इसलिए दिल नहीं होती। ईश्वर, बाबा, परमपिता परमात्मा साथ हम रहते, खाते, पीते, बैठते हैं। तुम्हीं से खाऊँ, बैठूँ, वह तुम बच्चों को प्रैक्टिकल अनुभव होता है। दिन–रात, सुबह–शाम यह ख्याल में (रहे)। ओहो! बाबा से हम विश्व के मालिक बनते हैं। निश्चय विजयन्ति, संशय बुद्धि विनश्यन्ति गाया हुआ है। तो (कि)तना पुरुषार्थ करना चाहिए। हम जबकि कहते हैं तुम मात–पिता... वो कुछ नहीं जानते। अब तुम प्रैक्टिकल जानते हो। बाबा आया हुआ है। जितना सुख चाहिए ले सकते हैं। सिर्फ याद की बात है। बाप कहते हैं आधा कल्प तुम देह अभिमानी रहे हो। अभी बाप को याद करो तो कट उतर जावेगी। शिवबाबा की कशिश बहुत है। फिर भी कहते हैं मुझे याद करो, पवित्र बनो। कृष्ण लीला, बाल लीला का गायन है। कहते हैं मटकी फोड़ते। सतयुग में तो ऐसी बातें हो ना सके। जादूगर शिवबाबा है। मीरा सा० करती थी ना। इन सा० में कुछ रखा नहीं है। वह है रमत गमत। चरित्र शिवबाबा के हैं। तुम यहाँ शिवबाबा पास आए हो। बाप कहते हैं मुझे याद करो तो कट निकल जावेगी। बाबा को सिर्फ याद करना है। जितना याद करेंगे कट निकल जावेगी। खुशी होगी। बच्चे अक्सर करके भूल जाते हैं। माया छोड़ेगी नहीं। बहुत तूफान में लावेगी। माया से लड़ाई है ना। मीठे–2 बच्चों को बहुत खुशी में रहना चाहिए। बाप कहते हैं 100% अति इन्द्रिय सुख की बातें पूछनी हो तो गोपी वल्लभ के गोप–गोपिकाओं से पूछो। शिवबाबा से फिर से वर्सा ले रहे हैं। पुरुषार्थ अच्छा करेंगे तो (ऊँच) पद पा सकते हैं। बच्चियाँ मार खाती हैं, हमको तो पवित्र बन बाप से राज्य ज़रूर लेना है। मार खाते–2 मर भी जाती हैं। वो भी बहुत अच्छा पद पा लेंगी। इस समय तुम नॉलेजफुल बनते हो। बाप इस समय ही आए नॉलेज देते हैं, फिर तुम संस्कार ले जावेंगे। जितना पुरुषार्थ उतना पद पावेंगे। देवताएँ हैं दैवी गुणों वाले। आत्मा, शरीर दोनों पवित्र होंगे। दुख की बात नहीं। तुम बच्चों को आगे चल सा० होने हैं। तुम देखेंगे, हमारे महल बन रहे हैं। बतावेंगे, फलानी दासी बनेगी। फिर उस समय तुमको बहुत अफसोस होगा। बाबा इसलिए कहते हैं जितना हो सके याद कर पुरुषार्थ करो। औरों को भी रास्ता बताओ। बाप स्वर्ग की रचना रचने वाला है। तो बाप को याद करने से विकर्म विनाश होंगे। अच्छा। गुडनाइट। ओम।